विराट कोहली और रोहित शर्मा को भारत के लिए इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में पारी की शुरुआत करना चाहिए। विराट कोहली 40 बॉल पर 100 रन भी बना सकते हैं।

- सौरव गांगुली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

राफेल नडाल

महान टेनिस खिलाड़ी रफेल नडाल ने कहा कि वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप में खेलेंगे जो 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन के आखिरी टूर्नामेंटों में से एक हो सकता है। नडाल ने संकेत दिया है कि उन्होंने पिछले हफ्ते बार्सीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका आखिरी मैच था। इस साल 20-22 सितंबर तक आयोजित होने वाला लीवर कप एक इनडोर हार्डकोर्ट पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यरोप टीम के बीच खेली जाती है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1988 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

जायसवाल के शतक और संदीप के पंजे से हारा मुंबई

राजस्थान की लगातार तीसरी जीत, मुंबई को 9 विकेट से हराया

जयपुर, 22 अप्रेल। राजस्थान रॉयल्स ने -2024 में दूसरी बार लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने सीजन के 38वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 9 विकेट से हराया। यह राजस्थान की 17वें सीजन में 7वीं जीत रही, इसी के साथ रॉयल्स की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गई। दूसरी ओर मुंबई ने 5वां मुकाबला गंवाया।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सोमवार को मुंबई ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 179 रन बनाए। राजस्थान ने 180 रन का टारगेट 18.4 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया।

से ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 60 बॉल पर नाबाद 104 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने 9 चौके और 7 छक्के जमाए। जोस बटलर ने 35 और कप्तान संजू सैमसन ने नाबाद 38 रन का योगदान दिया। से पीयूष चावला को एक विकेट मिला। मुंबई से तिलक वर्मा ने 45 बॉल पर 3 छक्कों से सजी 65 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि नेहल वाधेरा 49 रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद नबी ने 23 रन का योगदान दिया। राजस्थान की ओर से संदीप शर्मा ने 5 विकेट झटके। ट्रेंट बोल्ट को 2 विकेट मिले। युजवेंद्र चहल ने एक विकेट लिया।

आज यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने रोहित शर्मा (6) का विकेट गवां दिया। अगले ही ओवर में इशान किशन बिना खाता खोले ही

पवेलियन लौट गये। सूर्यकुमार यादव (10) रन बनाकर आउट हुये। उसके बाद तिलक वर्मा और मोहम्मद नबी ने पारी को संभालने का प्रयास किया।

नबी ने 17 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 23 रन बनाये। उन्हें चहल ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। नेहाल वढेरा ने तिलक के साथ पांचवें विकेट लिये 99 रनों की साझेदारी कर टीम के स्कोर को मजबूती दी। नेहाल वढ़ेरा ने 24 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 49 रन बनाये। उन्हें बोल्ट ने संदीप के हाथों कैच आउट कराया। कप्तान हार्दिक पंड्या (10) को आवेश खान ने पगबाधा आउट किया। तिलक वर्मा ने 45 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए 65 रनों की पारी खेली। टिम डेविड (तीन) रन बनाकर आउट हुये। पीयूष चावला (1) और जसप्रीत बुमराह (2) रन बनाकर नाबाद रहे। संदीप शर्मा की घातक गेंदबाजी मुंबई की टीम को निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 179 रन का स्कोर रोक दिया।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से संदीप शर्मा ने पांच विकेट चटकाये। ट्रेंट बोल्ट ने दो विकेट लिये। आवेश खान और यजुवेंद्र चहल ने 1-1 बल्लेबाज को आउट किया।

शतरंज में ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने रचा इतिहास

17 साल की उम्र में तोड़ा 40 साल पुराना रिकॉर्ड

डी. गुकेश की सफलता पर पीएम मोदी ने दी बधाई

टोरंटो, 22 अप्रेल। टोरंटो में चल रही कैंडिडेट्स शतरज टूर्नामेंट में भारत की 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने इतिहास रच दिया है। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बन गए हैं, साथ ही उन्होंने 40 साल पुराना गैरी कास्पोरोव का रिकॉर्ड भी धस्त कर डाला। गुकेश ने 14वें और आखिरी दौर में अमेरिका के हिकारू नकामूरा से ड्रॉ खेला। वर्ल्ड चैंपियनशिप के चैलेंजर का निर्धारण करने वाले इस टूर्नामेंट में उनके 14 में से 9 अंक रहे। अब वह साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देंगे। चेन्नई के रहने वाले गुकेश ने कास्पोरोव का रिकॉर्ड भी तोड़ा। कास्पोरोव 1984 में 22 साल के थे जब उन्होंने रूस के ही अनातोली कारपोव को विश्व चैम्पियनशिप खिताब के लिये चुनौती दी थी।

टोरंटो में प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर अपना नाम इतिहास में दर्ज कराने वाले ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को पीएम मोदी ने दी बधाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भावी विश्व चैंपियन बताया है। बता दें कि, गुकेश ने अमेरिका के हिकारू नकामूरा से आखिरी दौर में ड्रॉ खेलकर टूर्नामेंट जीता और 17 वर्ष की उम्र में सबसे युवा विश्व चैलेंजर भी बन गए।

वह यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीतने वाले विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय बन गए। पांच बार के विश्व चैम्पियन आनंद ने 2014 में खिताब जीता था। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि, भारत को फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने डी गुकेश पर गर्व है।

उन्होंने गुकेश की तस्वीर साथ में पोस्ट करते हुए लिखा कि, टोरंटो में हुए टूर्नामेंट में गुकेश की शानदार उपलब्धि उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण की द्योतक है। उनके असाधारण प्रदर्शन और शीर्ष तक के सफर से लाखों को प्रेरणा मिलेगी। वहीं विश्वनाथनआनंद ने एक्स पर लिखा कि, डी गुकेश को सबसे युवा चैलेंजर बनने पर बधाई। आपकी उपलब्धि पर गर्व है। मुझे निजी तौर पर तुम पर बहुत गर्व है जिस तरह से तुमने कठिन हालात में खेला। इस पल का मजा लो।

चैम्पियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने लिखा कि, क्या शानदार जीत। सत्रह बरस की उम्र में फिडे कैंडिडेट्स जीतने वाला सबसे युवा खिलाड़ी। यहां से अब विश्व चैम्पियनशिप का सफर और हर कदम पर हम तुम्हारे साथ हैं। जाओ इतिहास रच दो। इंग्लैंड के ग्रैंडमास्टर डेविड होवेल ने कहा कि गुकेश के खिलाफ पहला मुकाबला खेलने के बाद ही उन्हें पता चल गया था कि अपार प्रतिभा का धनी यह खिलाड़ी बड़ी उपलब्धियां अर्जित करेगा।

महिला वर्ग में दूसरे स्थान पर रही भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने लिखा, " डी गुकेश को सबसे युवा चैलेंजर बनने पर बधाई।" द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच रामाचंद्रन रमेश ने कहा ," युवा डी गुकेश को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने पर बधाई। प्रेरक प्रदर्शन। पूरे देश को तुम पर गर्व है। भारत के 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया और वर्ल्ड खिताब के लिए सबसे काम उम्र के चैलेंजर बन गए। नवंबर में ताज के लिए उनका मुकाबला मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन से होगा।

2024 कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर, डी गुकेश ने 48,000 यूरो यानी करीब 42.6 लाख रुपये जीते। उन्होंने प्रत्येक आधे अंक के लिए 3.500 यूरो और जमा किए। चूंकी वह 9 अंकों के साथ समाप्त हुआ, इसके चलते उनके पास अतिरिक्त 63,000 यूरो यानी 56 लाख रुपये आए हैं। कुल मिलाकर उन्होंने 98 लाख की ईनामी राशि जीती।

राजधानी

एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. भण्डारी को नोटिस

मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एन.ओ.सी. का मामला

- सोटो के संयुक्त निदेशक रहे डॉ. मेहता को भी नोटिस जारी किया
- सोटो के माध्यम से हुए प्रत्यारोपण की मांगी पूरी जानकारी
- एसएमएस अस्पताल अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा से भी स्पष्टीकरण मांगा
- उच्च स्तरीय जांच समिति ने की कार्रवाई

जयपुर। मानव अंग एवं ऊत्तक प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओसी जारी होने के मामले में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. सुधीर भण्डारी, स्टेट ऑर्गन एण्ड ट्रिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन के संयुक्त निदेशक रहे डॉ. अमरजीत मेहता एवं सवाई मानसिंह अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा को नोटिस जारी कर प्रत्यारोपण से जुड़ी सूचनाएं मांगी हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग इस मामले को लेकर एक्शन मोड में है। अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह प्रकरण में निरंतर गहन मॉनिटरिंग कर रही है। उनके निर्देशों के बाद चिकित्सा शिक्षा आयुक्त की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति ने जांच प्रक्रिया को तेज कर दिया है। सोमवार को समिति ने प्रकरण में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. सुधीर भण्डारी, स्टेट ऑर्गन एण्ड ट्रिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन के संयुक्त निदेशक रहे डॉ. अमरजीत मेहता एवं सवाई मानसिंह अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा को नोटिस जारी किए है।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान की ओर से डॉ. सुधीर भण्डारी को नोटिस में उनके एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य पद के कार्यकाल के दौरान आयोजित राज्य स्तरीय प्राधिकार समिति की बैठकों, उनमें लिए गए निर्णयों, जारी किए गए अनापत्ति प्रमाण पत्रों से संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया है। नोटिस में डॉ. भण्डारी से पूछा गया है कि सोटो के गठन के लिए एनओटीपी गाइडलाइन के अनुसार चैयरमेन का पद स्वीकृत नहीं है, लेकिन उनके द्वारा प्रधानाचार्य पद से हटने के बाद भी सोटो चैयरमेन के रूप में पत्राचार किया गया है। सोटो राजस्थान में उनकी भूमिका, कार्य प्रणाली, सोटो वेबसाइट के संधारण एवं मॉनिटरिंग के संबंध में पूरी जानकारी मांगी गई है।

इसी प्रकार सोटो राजस्थान के सुगम कार्य संचालन, प्लानिंग एवं नेशनल ऑर्गन ट्रिश्यू ट्रांसप्लांट प्रोग्राम गाइडलाइन के अनुसार गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए गठित की गई स्टीयरिंग कमेटी, उनमें नामित होने वाले सदस्यों के बारे में भी उनसे जानकारी मांगी गई है। सोटो के कार्य क्षेत्र व गाइडलाइन की पालना के संबंध में वस्तुस्थिति से अवगत कराने को कहा गया है। राज्य में किए जा रहे मानव अंग प्रत्यारोपण के डोनेशन एवं ट्रांसप्लांट की सूचना सोटो के माध्यम से नेशनल रजिस्ट्री पर साझा किया जाना अपेक्षित है। डॉ. भण्डारी से इस संबंध में सोटो के माध्यम से हुए सभी प्रकार के मानव अंग प्रत्यारोपण की सूचना दस्तावेज के साथ उपलब्ध करवाने को कहा गया है। वहीं डॉ. अमरजीत मेहता को जारी नोटिस में सभी जानकारी मय दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त 7 मई, 2022 से अब तक स्टीयरिंग कमेटी द्वारा किए गए कार्यों का विवरण भी मांगा गया है।

इसी प्रकार चिकित्सा अधीक्षक को जारी नोटिस में कहा गया है कि एसएमएस अस्पताल में नजदीकी रिश्तेदारों तथा पति-पत्नी के बीच होने वाले अंग प्रत्यारोपण की अनुमति के लिए चिकित्सा अधीक्षक की अध्यक्षता में कॉम्पीटेंट अथॉरिटी का गठन किया गया था। समिति ने विगत एक वर्ष में इस समिति की बैठक कब-कब आयोजित की। इन बैठकों के बाद इस साल मार्च तक जारी एनओसी का विवरण भी उपलब्ध करवाने को कहा गया है। साथ ही, अधीक्षक से पूछा गया है कि मापव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम के तहत निकट रिश्तेदारों से भिन्न व्यक्तियों के बीच प्रत्यारोपण का राज्य स्तरीय प्राधिकार समिति द्वारा अनुमोदन आवाश्यक है। इन प्रत्यारोपण के लिए राज्य प्राधिकार समिति से अनुमति प्राप्त की गई अथवा नहीं। अगर अनुमति नहीं ली गई तो समिति के क्षेत्राधिकार के बाहर प्रत्यारोपण किस आधार पर हुए। चिकित्सा अधीक्षक को इन सभी बिंदुओं का जवाब तीन दिन में प्रस्तुत करना होगा।

सरकारी गेहूं खरीद को बढ़ाने के लिये कदम उठाने के निर्देश

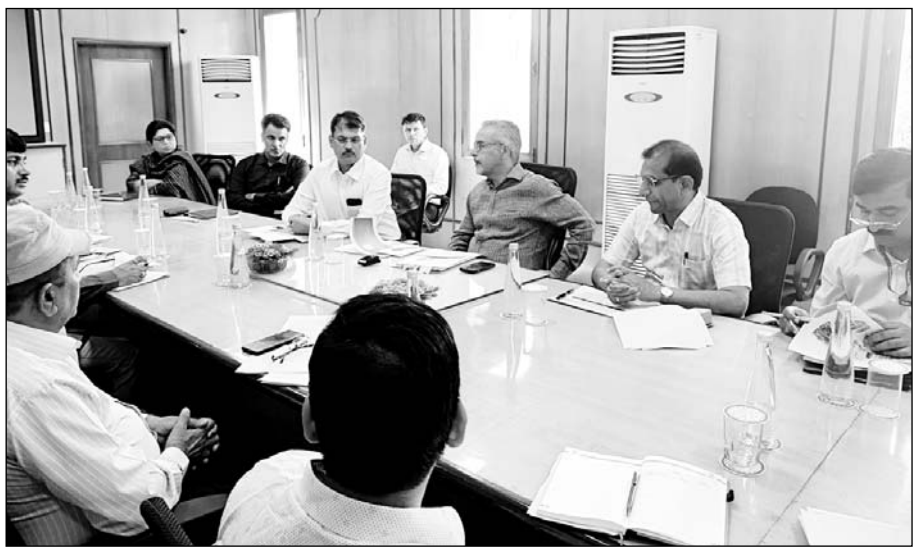

केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति सचिव संजीव चौपड़ा की अध्यक्षता में सोमवार को एफसीआई एवं राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

जयपुर, (का.सं.)। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चौपड़ा ने बताया कि हरियाणा में राजस्थान के बराबर ही गेहूं उत्पादन होता है, परंतु राजस्थान में सरकारी गेहूं की खरीद हरियाणा से काफी कम है। खाद्य सचिव ने इस बिंदु पर विशेष जोर देते हुए राजस्थान में सरकारी गेहूं खरीद को बढ़ाने के लिये आवश्यक कदम उठाने के लिये निर्देश जारी किये गये।

केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति सचिव संजीव चौपड़ा की अध्यक्षता में सोमवार को एफसीआई एवं राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ राजस्थान क्षेत्र में रबी विपणन वर्ष 2024-25 के तहत की जा रही गेहूं खरीद तथा केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न खाद्य योजनाओं एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में खाद्यान्न वितरण की समीक्षा बैठक की गई है। बैठक में सभी गेहूं खरीद एजेंसियों को निर्धारित खरीद लक्ष्य को पूरा करते हुए अधिकतम किसानों को लाभांवित करने पर जोर दिया गया।

खाद्य सचिव, भारत सरकार द्वारा चाकसू तहसील में राशन की दुकान का भी निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित लाभार्थियों से संवाद भी किया। उन्होंने चाकसू में राजफेड की ओर से संचालित गेहूं खरीद केंद्र का निरीक्षण किया और राजफेड अधिकारियों को किसी भी स्थिति में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद योजना का अधिकाधिक प्रचार करने तथा सभी किसानों तक इस योजना की जानकारी पहुंचना सुनिश्चित करने के लिये निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान एफसीआई तथा राज्य सरकार के अधिकारी भी मौजूद रहे।

अनाधिकृत निजी अस्पतालों पर कसेगा शिकंजा

- प्रदेश में चिकित्सा विभाग की ओर से ऑपरेशन ब्लैक थंडर चलाया जाएगा

जयपुर। चिकित्सा विभाग प्रदेश में अनाधिकृत रूप से संचालित निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए ऑपरेशन ब्लैक थंडर चलाएगा। इसके लिए संभाग स्तर पर समस्त संयुक्त निदेशक, जोन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही, जिला स्तर पर इस ऑपरेशन के लिए कमेटी गठित की जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य शुभ्रा सिंह ने बताया कि विभाग को प्रदेश में ऐसे अनाधिकृत निजी अस्पताल संचालित होने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें एक भी एलोपैथिक चिकित्सक नहीं है और मनमाने ढंग से इनका संचालन कर आमजन के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। चिकित्सा विभाग ऐसे अस्पतालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई अमल में लाएगा। इसके लिए प्रदेशभर में ऑपरेशन ब्लैक थंडर चलाया जाएगा।

सिंह ने बताया कि इस ऑपरेशन के लिए संभाग स्तर पर समस्त संयुक्त निदेशक जोन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। साथ ही, अनाधिकृत रूप से संचालित ऐसे अस्पतालों के निरीक्षण के लिए जिला स्तर पर कमेटियों का गठन किया जा रहा है। इस कमेटी में संबंधित जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला औषधि अधिकारी शामिल होंगे।

जनस्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि यह कमेटी संबंधित जिले में अनाधिकृत रूप से संचालित निजी अस्पतालों का निरीक्षण करेगी। अगर कोई अस्पताल बिना एलोपैथिक चिकित्सक के चलते पाया जाता है या वहां अन्य नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो उनके विरूद्ध आईपीसी एवं आईएमए की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। कमेटी हर माह इस संबंध में संबंधित संयुक्त निदेशक को रिपोर्ट भेजेगी। संयुक्त निदेशक जोन हर माह की 5 तारीख तक यह सूचना चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय को भिजवाएंगे।

वरिष्ठ चिकित्सक व एन.एन.एम. निलंबित

- नैनवां में अस्पताल के बाहर बैंच पर प्रसव का मामला
- पीएमओ को हटाया, अन्य नर्सिंग स्टाफ को 17 सीसीए के तहत नोटिस
- अतिरिक्त मुख्य सचिव ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए जिला कलेक्टर से पूरे प्रकरण की जानकारी ली
- एसडीएम व जांच कमेटी की रिपोर्ट पर एक्शन लिया

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने बूंदी जिले के नैनवां उपजिला चिकित्सालय में एक महिला का बैंच पर प्रसव होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई की है। प्रकरण में एक वरिष्ठ चिकित्सक एवं एक एएनएम को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। वहीं पीएमओ नैनवां को पद से हटा दिया गया है। एक चिकित्सक के विरूद्ध 16 सीसीए के तहत विभागीय जांच प्रस्तावित की गई है। अन्य कार्मिकों को 17 सीसीए के तहत नोटिस दिए गए हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तुरंत प्रभाव से कोटा जोन के संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बूंदी को शामिल कर एक जांच कमेटी गठित की थी। साथ ही, जिला कलेक्टर बूंदी से प्रकरण की जानकारी ली और नैनवा उपखण्ड अधिकारी से भी रिपोर्ट मांगी गई। जिला कलेक्टर से मिली जानकारी, जांच कमेटी एवं उपखण्ड अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए चिकित्सकों एवं अन्य कार्मिकों पर विभाग ने सख्त एक्शन लिया है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि प्रकरण में ड्यूटी पर उपस्थित वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. मुरारीलाल मीणा एवं एएनएम कुसुमलता शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका मुख्यालय निदेशालय, जयपुर किया गया है। साथ ही पर्यवेक्षणीय लापरवाही का दोषी मानते हुए पीएमओ नैनवां डॉ. समुन्दर लाल मीणा को हटाकर उनके स्थान पर वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार को उनका चार्ज दिया गया है। डॉ. माथुर ने बताया कि प्रकरण में अन्य नर्सिंग स्टाफ गायत्री मीणा, केला देवी मीणा, शिवदत्त, कौशल्या गुर्जर एवं हेमन्त महावर को सीसीए नियम 17 के तहत नोटिस दिए गए हैं।

जयपुर की जमीन से जुड़े सौदे को लेकर याचिका खारिज

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने जयपुर की जमीन से जुड़े सौदे के खिलाफ पासीघाट थाने में दर्ज एफआईआर को रद्द करने वाले राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को सही माना है। इसके साथ ही अदालत ने माना कि हाईकोर्ट के आदेश को परिवादी ने चुनौती नहीं दी है और अरुणाचल प्रदेश सरकार ने अपने स्तर पर ही इसे चुनौती दी, जबकि मामला आपसी लेन-देन से संबंधित था। जस्टिस विक्रम नाथ व जस्टिस केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने यह आदेश अरुणाचल प्रदेश सरकार की एसएलपी को खारिज करते हुए दिए।

प्रकरण से जुडे अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि परिवादी अनिल अग्रवाल ने वर्ष 2017 में पासीघाट थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि मैसर्स शिव भंडार ने जयपुर के सीकर हाउस में एक प्लॉट खरीदने के लिए जयपुर निवासी चन्द्रमोहन बडाया को 75 लाख रुपए और शशि नाटाणी को 25 लाख रुपए का भुगतान किया था। इसके बावजूद भी प्लॉट का बेचान नहीं किया गया और राशि हडप ली। चन्द्रमोहन बडाया ने एफआईआर को गुवाहाटी हाईकोर्ट में चुनौती देकर कहा गया कि उसकी फर्म ने 37 लाख रुपए शिव भंडार को लौटा दिए थे और 54-54 लाख रुपए के दो प्लॉट परिवादी की पत्नी व भाभी को बेचे थे, लेकिन इसका पूरा भुगतान भी उसे नहीं मिला। जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा है। हाईकोर्ट की ओर से बडाया की याचिका खारिज करने पर उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। वहीं दूसरी ओर प्रकरण के अन्य आरोपियों ने एफआईआर को हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने मई, 2023 में एफआईआर को गैर इलाका व अरुणाचल प्रदेश में अपराध कारित होना नहीं मानकर निरस्त कर दिया। इस आदेश के खिलाफ अरुणाचल प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका पेश की।